# संस्कृति

## अर्थ एवं परिभाषा :

एक समाजशास्त्रीय अवधारणा के रूप में 'संस्कृति' का संबंध, मनुष्य के व्यवहार, भावनाओं, विश्वासों, चिंतन आदि के समग्र से है; यह उन सभी विशेषताओं को व्यक्त करती है, जिन्हें मनुष्य ने एक सामाजिक प्राणी के रूप में अर्जित किया है।

संस्कृति की सबसे विस्तृत परिभाषा, 19 वीं शताब्दी के प्रसिद्ध ब्रिटिश मानवशास्त्री 'एडवर्ड टाइलर' द्वारा प्रस्तुत की गई है। उनके अनुसार, "संस्कृति वह जटिल समग्र है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कला, आचार, कानून, प्रथा एवं इसी प्रकार की उन सभी आदतों व क्षमताओं का समावेश है, जिन्हें मनुष्य ने समाज के सदस्य के रूप में अर्जित किया है।"

## संस्कृति व मनुष्य के मध्य विद्यमान अन्योन्याश्रय सम्बंध :

संस्कृति के दो भिन्न लेकिन अन्तर्सम्बंधित पहलू हैं। एक ओर, अनिवार्य रूप से यह, मानव-जाति को प्राप्त तर्कक्षमता व कल्पना-शक्ति, आत्म-चेतना व आत्म-चिंतन की क्षमता व प्रतीकात्मक संचार तथा भाषा की क्षमता जैसे अद्भुत लक्षणों की अभिव्यक्ति है।

तो दूसरी ओर, यह मनुष्य की क्षमताओं व सम्भावनाओं को पूर्णता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। उदाहरण के लिए, परस्पर सहयोग की कला, पौधों व जानवरों को पालतू बनाने की कला, औजारों व उपकरणों के निर्माण की कला आदि जैसे सांस्कृतिक कारकों ने, उद्विकास की कठिन व लंबी प्रक्रिया में मनुष्य की अंतरजीविता को संभव बनाया है।